

ये'सु'यो ये'ने'त्य'न्स्यय् क्रूट्य'र्क्ट्र'न्य्य्य'र्ट्ट्य'(क्रु'म्र-'ग्री'म्य्य्य'रुद्ध्ये'सू' न्यु) अवेय'यदे'नेन'यय'नन्यय'ने'नसूर्

धु'ले'गडेग'नगु'ले'नमुन'लेंदे'त्तु'न्ट'रेंदे'ळेंश'सुस'रु'हेन'ग्रे' धुै र्नेम भ्रुन उट वर नमेश भये भ्रे लिम मह मी मलुग्या भग मी'र्झे'र'नमुन'हेत'हु'र्केश'य'र्केवे'शर'वर्गे'नवे'व्यथापर। र्मे तुरातु से अद्देश्वद् भुदाक्ष रेसायर मामाया स्रवया वर्गेया र्या र्षिट दे शुर घट या त्र ग्रेया सर्वत से देर विट मी र्ह्ने श घुरा ग्रे म्मिन्यार्थायकाने मिन्या (Nehru) सुदाय सेना मुना वेना मिट्यार्सेटालेयामुम्मरासीन्स्यायाष्ट्रियाचसुम्यानुस्य वित्र दुट'वर्'नम्भेष'यदे'त्त्रनष'केत्रधे'स्र'मिट'सर्'न्'भास्नत'हे' मक्तालिया प्रियमी भू केरियह म्या भी नेया भाषत शु विमार्थित्। सनुः नः साम्मनः हैं सर्वेमा ने हैं। यो १८७० हा १० वें या २१व मु मर व्यार्धिमाश शु मार्ने माश भारी भेर भव दूर विश यम्भुत्युद्यभिद्यं भेट्यं भेट्यं क्रिं क्षेत्रं क्रिं (Mohandas) विद्या सर्वत मुं र्चिमा स ने प्येत विट ने पे ने ते क्वा का केत मुं क्वा के का मुं क्वा के का मुं क्वा के का मुं क्वा क ठेश'य'णेत'या हैंगा' शुट' दु' पदे 'ते' मिंट' मी' शह्य त्र भर्गे र' येश शु' र्वेग्यायायाविगारेता सुनाई। अर्केगामी द्वियासुता पुरासेता मुनावुता

मी'र्मा'मानस्यमाया केन मुन्देन सेट मानस्य म

स्त्र है अर्केमा मैश सु केंदि अघत अहमा स्निन्श शुमा शुर र्रे अ लिमा अहं ५ 'यदि 'त्र दि 'में यो अप दे 'स्टि 'सुमा 'यश मात्र ट 'स्टि ' नुग्नशक्तः स्विश्वर्त्वाः स्वितः द्वाः स्वितः द्वाः स्वाः स्वितः स्वाः स्वः स्वाः स्वः स्वाः स्वः स्वः स्वाः स्वः

मार्डेर प्रमोपानम् नुषा भ्रम्या र्भ्रियमार्डेषाधि र केषा भागुषा र्श्वेनमर्डिशर्भे दुव ५ या छिन क्षेत्रमु अळव ५ ५ ८ भेर भारा १ १ स्नम् १ त्राप्त र्श्वेन मर्डिंश से दुन ५ हुन नन्द सामन निमाधिन सेन घर नर्गोद्यापिल्याम्बद्याप्तम्। र्यो दुन्य मृत्ये मे स्वी र्श्वेन यया नया ह्न'यन्द्रभाष्क्र'लेग्'भेक्'यदे र्यादहेक्'यह्र र्योर्भेया भेक्' क्षरा विटामीयाम्बर्याद्यादेग्या र्हेन्य हैन्य हैन्य हैन्य हैन्य यान्यसम्त्रीयान्यम्यम्य वर्षे वर्षे क्रिन्निम्मेशः मावयान्न प्राप्त प्राप्त प्राप्त के मा भी प्राप्त में मा अप्राप्त प्राप्त मा विषय के प्राप्त प्राप्त में मा अप्राप्त प्राप्त मा विषय के प्राप्त में मा अप्राप्त प्राप्त में मा अप्राप्त में मा याभावता नमार्वेदारीप्याभेतायम् मृग्तेमात्यायम् अ नश्रभः र्त्तुं मार्ने दायान दमा याया सेन चुदा डेर'र्से डे'नदे'रेन घट नेशा रे'सर्ट्य शॉर्यट मीश रिये रेन विगान्ना भुना स्वा सुट प्रमा ए र केंग माट स्नाट प्रेंद प्रोंदे भूम माञ्चमाराष्ट्रप्रशा भ्रप्यारे क्रांसु सत्त्रा सुप्रश्रास्त्र प्रांचित्र मीर्या श्रायमा मेटा र्चरम्बिम्यम्पर्यन्यस्य विटार्झेट्य सस्य श्री इस्राया देशा विटा मी सी कें यदे वट द्राप्त विद्या विद्

लिना किट ति दि स्थान स्

द्रश्चित्रंश्चित्रप्रेत्वर्गण्येत्रप्रस्थर्थाः प्रद्राम्युअरस्ट्रेत्

गहेत्रस्थित् विद्राप्ते प्रदेश्चित्रप्रस्थर्थाः प्रदेश्चित्रप्रस्थर्थेत्

गहेत्रस्थित् विद्राप्ते प्रदेश्चित्रप्रस्थर्थेत् स्थित् स्या स्थित् स्या स्थित् स

चुँन में शर्शेन श्वास्त्र नाट श्रद्या के क्षित्र हैं प्राप्त हैं निष्ठ निष्ठ निष्ठ ने स्वास्त्र हैं निष्ठ हैं प्राप्त हैं निष्ठ हैं निष्ठ

र्श्वितः मृतिः द्वां मितिः दः मार्लदः म्वां मार्थः सं त्वादः स्वादः स्व

र्टेश्वान्यामा विद्यास्य स्टार्स्य स्टार्य स्टार्स्य स्टार्स्य स्टार्स्य स्टार्स्य स्टार्स्य स्टार्स्य स्

हैन निगमें नाया संप्रत्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्

यद्भायम्य देवायम्य । नेप्रमार्थद्वायम्य । नेप्रमार्थद्वायम्य ।

यन'युस'ग्रेश'ग्रेश'र्से दुन' नश'ने 'ब्रेंन' रे' ग्रुश'स'मेश' णूटा देवयाच बुटार्वेटायीयान भ्रीमा वाचुया र्सेटायो नदी र्वे नरमान्त्रत्रामञ्जर्भार्भे राभेता भेत्रणट र दूरामें ट दर त'मार्लेन'मालन'लेग'मीर्थाय'स्यमा'त्येन'त्येन'न्यर्सम्था मिट' मार्शेशाशासमात्यादमातादमाशास्त्रात्रेतितासीसाया भी मार यार्क्यापराघासमाप्तव्याराष्ट्रेत्यार्क्षेमाप्त्र्माप्त्रात्रेर्या यरे भ्रीत ग्री केंद्र या निमाय चूटा यनि सामा भ्रमा केंद्र या भ्रमा केंद्र या निमाय चूटा यनि सामा भ्रमा केंद्र ग्रैशन्द्रयादुटार्ड्यारेयात्रायमार्हेयानेप्रवेदायान्टा स्रम्या तमार विट र्येते रुप क्षे प्रमा मङ्ग्रीमाश्वास्य विस्थार धेरासा क्रिंशस्त्रास्त्राचेत्रारेगाधेशस्त्रीमायात्रास्रमाधिकेत्वतामी मार्थमा सदि दुवा में मार्डमा से यादा नम् रार्थिता

णुन्देन्यार्थेन्य स्थान्त्र प्राप्त प्रमान्य स्थान्य स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्

त्तु'नर्भेर'तुष'य'त्दा र्केष'शुम्ब'णु'षिधष'म्बिर'म्हिर' पत्नम्यानुयापयान्द्राकृत्यीप्त लेगानेत्र क्षयापदे पर्मेत् शेशश्चिमश्चेश्वास्त्रम् विट्नी प्रमायश्चरम् वेशयाद्या मगाप्त्रेम्या रेप्त्रोयाधियायप्यमायाप्रमाप्त्रापर्मेरागुयाया चरुषाय्याम्बर्धायये सुमाषाय में दासे होता है । होता है । वै। मुःदुदःर्डभः गुर्याया ५८। अगायमः मिदः में न यर्डे थ्वेरः भ्रमश्रम्पान्त्र मेरियान्य मार्थम स्माक्ष्य क्ष्य क्ष्य मार्थम स्मान्य समान्य दे मिट मी श्रेश्य मिट्य शु हिन देवा मीर मात्य पर सूरा हत र्धेट्रेट्रेक्ट्रिस्ट्रिस्य विवादिया स्वास्त्र मेर्नियमिंद्र'देर्द्राक्षेद्र'या हैश्वाकद्रमार्सेद्र'द्रमेश द्ध्याद्रा श्चर्भरम् रदादम् श्चर्मारायद्भी ग्वेर्पये रमायावरा नलगायदे'थे'मो'दे। दें'क्वंकेन्यें'द्रान्यस्यान्द्र'णेयासन्यः नवे नुस्रान हे उदा ही अन दसायर सुवा अन है साथे मे दे मावयान्न प्राप्तामाया हेया सेमा पर्स्या है प्राय्या हैं विमा निर्देशक्षेमा बुद्धा स्था सके सामनुरम्बिता विद्योग राष्ट्र मदेः श्रुद्धार् प्रतायायः वर्णेन या श्रुमान या प्रवाधियायायः

नर्णेन निर्देश सुदामादा प्यदा अभिन्न निर्देश सर्वे अभिन्न स्विता सर्वे अभिन्न स्वता स्वीया स्विता स्वता स्वीया स्विता स्वता स्वीया स्व

मृत है 'यें त' नर्रे नमुन 'र्येत भ्रम्य या मु मार कर एएया गु अर्चे रेअ र्रेन मुर लुम्बा क प्यटा र्रेन क्रिन क्रिन मीय मिट प्येन न्नट केश केर व्यामा स तुरा राया कें से द रहा त्या वर्षे मक्ममान्त्रमा दे नमानुमाधुन सुद रसमार्थे द हेमा द्वीन खुया र् विभयाश्वायारियापरार्श्वेयार्श्वेटार्चेट्र द्वेत्र त्यों कु चुया विटा मीर्याम्याम्यान्या भेष्ठ्र यार्स्यम्या शुर्येटा केष्ठ त्यार्स्यम्या स्टि ८८.क्षेत्र.टे.च्चत.चेट.चेट.के.श्चाय.चे.प्र्राच्ट.जायक्ष्य. शु में लिया या प्यापीका परी के विष्या माना किया सुमाया परी की या सुमाया परी की या सम्माया परी की या समाया परी समाया स्रम्या नेन इते केंया स्माया में प्रम्या मित्र स्था प्रया मित्र प्रम् क्रिराचगामा'वर्गमा'चुर्यासवे'नगाव'मिमा'व्यंवस्त्र । प्रमा ५'रुट' यादायदे द्रायद्यादे द्रायां में सिंदा क्रायें का यहें यमुदाया र्शेन'यदे'मार्नेन'तुं शें 'हुन' ह' रूट'मी' य वद' ह्य' ५८'। यु 'धुमा'

भ्रम्यारेर भ्रेत्याह्मा धेत या अर्के मूरि भ्रेट विट मीया रटानित्रमानयासुराकेर्नियादेग्धेनायार्केरानाधारा वामास्रया क्टार्थित् प्रिक्शार्मिशादेशायहे प्रीम्माशाश्च्या वेकार्तेकातुः श्चेत्राश्चायम्पिटायाद्मायार्केराश्चेत्रणुर्देत्राद्मामार्श्वराष्ट्रदा नवे निर्मे श्रेममिट मीयमि भी न सून्य मिट प्राप्त प्रे यदे मु म्यार्याय वास्त्रावर केंश्या वास्त्रा हेश सुत है प प्रूप क्षिम्यान्वित र्थेन तथ्या हैत विमान सेन मर्थेय केम्यामर विमासर्वेट क्यार्श्वे यास्रीयाम् रचित्र है यापमामार्थमामीया णूटा नुसार्वेशायरामानुमाशारीं पारे घटार्थेरायदेगात्रशास्त्रा नेश स्वरा स्वर है दे प्रथम प्रम् क्र मेग मेश केश सुग्राय ।

रम्यत्रेम्यान्त्रित्रण्णेश्वस्यत्रेश्चित्रस्याः श्चेत्रा ह्यास्यां विद्यास्यां विद्यास्यास्यां विद्यास्यां विद्यास्यां विद्यास्यां विद्यास्यां विद्यास्यां विद्यास्याः विद्यास्यां विद्यास्यां विद्यास्यां विद्यास्यां विद्यास्यां विद्यास्यां विद्यास्यास्य विद्यास्यास्य विद्यास्य विद्यास्

मार्श्यायाकी मिटामी मीमायायी मुमाराका मार्थिक विमामीया <u> न्त्रीतः है न्यर 'या र्याया ग्रीतः श्रीत्रा श्रीत्रा स्वायः श्रीत्रा श्रीत्रा श्रीत्रा स्वायः श्रीत्रा श्रीत्रा श्रीत्रा स्वायः श्रीत्रा स्वायः श्रीत्रा स्वायः स्वायः श्रीत्रा स्वायः स्वयः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स</u> मिंट मीय र चित्र है तर प्रतित नय रेगया मुया हैं उता हैं र थे। त्र्याण्टा में कारासें का स्टूट्याणे सेंग्याया स्वाप्त्या रही का है। या र्कें दरम्बर्द्यस्य निर्मुदे सेसस्य द्या पर्दा विद्यीस्य मित्र यामार्थरायमायादाद्राद्राद्रात्राहिषा हिंसा सुर्चेरामार्थरा वमामीमानुन्तु लिमा सूर दर्गी शास्त्र भाषा प्रमानिमा विशालिमाशासा म्यात्रम्य क्रिंद्र दुर र्द्ध देश देर या वया वया वया दि । म् नर्भग्ना निम्बार्गिक्ति दित्य भेषा निम्बार्गिक्ति । ८८। इन्द्रश्रीयम् व्राचित्रम् व्राचित्रम् व्राचित्र मु र्शेम्याया श्वट्यार्थेत्। तेत् णूटार्यटामीया द्रीम्यायाया मैश्राञ्चा स्वारीम्बाय दी द्वाया प्याप्य प्रमास्त्र स्वारी मिट मीरा निया यह समारा त्रामा सुमारी मारी हा हिया प्रिट मीरा रटमी कुर्केंद दे येग्या र्येर येद हुँद हुंद हुंद हुंद हुंद से स्वाप्त स्वाप्त

में ट मार्याय पर्टे द्या क्ट सार्य क्रिया प्रविष्य हो। विस्रा सुमारा श्रें न र्बेट ने द प्ये पर्यो न र्याया सनय देर मिट सु सत्र रहेया युमारायार्ने सूटाहे केरार्शेटायदे शे लिमा मृ सुराया दिटा मी'र्म्मम् रा'र्से र्क्षा रूट मी'र्केश युम्मश मी'र्न्सा रादी मासुट रूटा येगशक्तक्रमार्थियम् इमायमम्बरम्बारम् विश्यस्य में प्रा येम्द्रियार्टे र्श्वेन चुनाने प्रमुखा वित्यमिषाने वे एष्ट्र के बाहि प्रमुख विमाधित भेता ना भ्रमा ने र्सेत में मार्था भी वा मीया निता यदिनेश मुर्खेर यदि देय अमार्नेश निमा क्षेत्र अनेश केंश सुमाश गुँ'माशुट'र्य'रुमा'मान्द्रा'य'देवे'न्द्र'मी'यहेंद्र'गु'एमा'ने' येगशक्षत्रवगर्येदेगादि नहें ५ मु ५ ६ म अर्द्ध स्थायेत नगय र्चेर सूरा ने नगर तीन खुवा सी र्डेंभ या ये प्रापर यर (१००८५,,१८८१, प्रम्य पर्वे विषयात्र, क्ष्यात्र, म्याम् वारा १९४१ विमासे। दर्भगमायम्यापिटामीयामटामार्सिटा गम्यरायहो। <u>५५५ मेंदे मेट सुमार्थ मरुष ग्री घर माल्य ५८ सी ५५ मदे </u> रेच. मुचार्य. वैचा. वे. व्या. च क्राच्या सम्मानाया श्रीमायय. श्री. अकरा रे के प्राप्त का का स्वाप्त के साम का के स्वाप्त का स्वाप्त के स्वाप्त का स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त का

रें हुं ते अं ५ अ है। व के ते हूं क पा दि । वि त्यो क्ष या के यति । वि त्या के प्राप्त के प्राप्त

देहिश्णुं र्यं नश्चे स्ट्रां च्या क्या प्रत्या विष्या विष्या विष्या विषया क्षेत्र प्रत्या विषया क्षेत्र प्रत्य प्

भाष्य्यायमाणुमायाने सेता विभागन्याययाने मात्युमाया मार्नेट पर्दे द र्थे द द अर्थे छ दे के मार से यश द में अर यद अर्थे द र्मेमायर्चेरायाद्या देक्षामेटाखाङ्कारीमाराखेदायदेकुमाराखी कॅट प्याध्यायार्थ कॅट रे प्याय हें तर हे पिट केंया मुर्गित की न्मर्यकेर्द्रप्राय वर्षेर्यमार्ये वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे हेर'यिकर'र्शेत'स्यश्रिंखाः हे'री'गार'र्तेर'यत्र'वेश'यदी'शर' मिट केर पस्ता सुन राम मिट है या मिट मीय हैं खा है री पर ल्ट्रियद्यस्य माराधी प्रमान्य मान्य स्ट्रासी योग्या यान्य स निटा परिके मिटामीश र्षेमा पटा येर विभार केमा रूप्ता युमार्थायु नार्मोत्र र्श्रमा सु मार युमार्था शु र्शेन र ग्रीश्र भिमा गुटा न्ग्रीकात्रकार्केटाच्याष्ट्रीक्षकार्सेन्याम्बन्नात्वेषामीकार्वेटामी र्घेन् न्गैर्याने सुन्दर्गेर्या द्वापान निम्मन्या विद्याने या निम्मन पर्हेगाभागुरापराष्ट्रिस्यायटामी र्झेरासुर सूट्यायवित्रयाखाः क्वे'रे'मिंदे'त्र ट'र्मु'ग्रारायराक्षाक्षट्या के'य् दु'विगार्थेद'सेद' मार्था में मार्था चुटा। मान्या र्ख्या क्षें 'खा क्षे' री मारी या कार्यटा यारा अर्गुमशःशुरः८८ । मुगमरायामाटा अटा विमामीशार्शे र्शेते संप्राया प्रवासिका खा है। में गाम या वा गा पर्केया प्रमाप प्राप्त र

चलेत र्थित या यश्या थार यश्य मेगाश त्या प्रस्ते । यह प्रमाण प्रस्ते या यह प्रस्ते । यह प्रमाण प्रस्ते या प्रस्

रे 'क्षेर'भ्रवया रेर'झुक्'हे 'यम्याया णुट' विसया र्सेर'या रें 'र्वे' स्रम्यायम् वियाधीम् विद्यास्त्रिः में गामायम् निम्या वर्गेरहेश विंदमी र्वेद द्येत छो य में वाया शे शुलेश यश में द ष्ट्रियम्बर्विमाः पूर्वेदायमाण्ये केदादायम्या देशम्यमार्येदासी रैमाबादगारार्थिक द्राप्तुन दुः बेखिरारे स्थायादरार्थिव नरा नर्दायम् अत्वर्षम् भीत्वर्षम् भीत्वर्षम् भीत्वर्षम् भीत्वर्षम् भीत्वर्षम् अ इकारकाको पर्विस्सेकाया ५८ सेविस्याको हैका विदास्त्राप्त १५ यमा हेर् हेंग्राययाहेरा हुए भ्याया के यह ए हे भे प्राप्त प्रेष्ट लॅमशर्शमणुम वितायदेराविश्यस्य विदायम्या विमा भेर्'यदे'स्या'यस्यार्हेग्याहे। रूट्यी'युयार्श्या मुयाययाणी केर्'रु'पर्युप्पंसुदे'र्भ'यरुप्पविषा'य'रेर्। श्रुर'भाषक'शे' सकता) देवे भुः क्षेत्र स्ट्रम्य या या प्याप्त स्थित स्थित स्थापति स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप विगाचुटाना दी विटायग्यायान सेंद्राणी स्रम्यश शुं शेंद्रायग्या दर्विम केत में लिया यी तदाय में नदी भ्रया कुया की माना सेया था

ने न्यामिट मिट हिर दु यर्चेर हे में ट हिर हे यदी अर्मेन मिट दुर्शेट नम् अर्मेन मिट देवे नट दुवट मिट खेट अप न रुग र्नेन'मेन'यरी'नग'चुट'न'कुर'झन'हेये'नशश'यर'ख'छे'री'गार' र्धेर् प्रते मुग्गरपायरे केंर मुयार्यु ए लेगाग्रासर्शे रेस से ञ्च विमामी र्सेम्बर्स्स नर्में बर्णे र्जेन्या स्थाने विदेश कर स्वाबर केन में नूटा धेन न अटा महा है दाया यह दा हम या दे प्राची है यश्यने भ्रीन सुन शुभार्केषाश्याय शिक्षे के लिया या ने भ्रीका चुन 'णी' भेर्न्स्या मिंद्रमीश्रान्ड्रिं यदे मुम्मर्यार्द्धे पर्दे पर्दे वर्षिन भेन में माया र्येट युया मिंट कें नया मुन से विस् खट रेअम्बर्अपयदे नट दु दर्गे निवन खेंद या दिए मी मुवायन गुःशे इस्य स्या स्या स्या स्या निया निया निया मित्र मित्र प्र अर्वेट नशार्वेट मी शेशशायर बुगशाम बेर केत र्ये नशूटशा देर'यहेद'र्षेशसुप्रस्तुर'र्षेट'रूट'मीश'सर्वेद'से'इसश'य'दूट'

यरेन भेर यदे र्ख्या रेम र्सेयायन मुगद्यया रें र केन ये पुग स्रवश्विमार्केट यास्नेत्र यानिमामीयार्थे दुत्र ५ विस्रया र्सेट यम मुशके विभगम्म र्शेट क्यार्केट याचि महाया प्रवास परि प्रहार रे'स्ट्रेर'न्यर'यर'तेर'र्मेशर्ख्यासरम्बारा'स्रेर् विश्तःत्राम्बा रैट'गु'ग'रे'प्यर'यंकेत'र्येष'गश्चुयष'यथा र्वेट'ग'गहिष'गा' वर्हेममासुमारुगारुमारिममार्सेन पुरायाक्षमा नद्यारी रहा विमान्न्ययाप्ता के र्डमायेन कुरा क्ष्माया ने महिमामर केंटा नामध्रेयामस्त्रव्यसम्ब्राच्याच्याच्याच्याम् यम्याया येग्रायम्य चुटायदे यश्चेत्र यदी या यहेत् त्रा विट मीर्याक्षे अट नर त्युमा ईन चूट नदे प्यय ने का अट में लिया मी'नर'वर्स'चेर्'ब्रन'धर'सुरा सुमार'धवे'म्मिय'र्धे'र्केर'वे' यरे.रट.यम्थ.कुट.भूश.स्वाबास्याचित्रा ज्य.र्पराज्याची. क्रायासटार्राष्ट्रमाप्तरात्र्यत्युरात्र्यायस्यायायाः मृत्रारी क्रिया मुन हैं 'थे' नु र्केश पर 'त्युर कृते 'रे 'य केन 'र्ये 'य उदश य 'द्रा मिक्रियार्क्याप्तियाकेत्रेक्यायम्यस्य स्मान्या नुदे केंबा भुमाबा ग्री प्रधाय मासुट राम हो हाया प्राये वि केंश भुगवा भी मासुट र ना गी र न है वा गा गूर्ग वा मी पेंदा देंन

णूट दे दुयार्षेट मीय देत इति द्या यति माशुट र या या माया है। श्रें सूट हे के त्या हे के या सुर या द्या दे द्या या या मिट मीया दें त द्या श्री या दे या दे हैं दिया से स्था मिट मीया

वें अह्मा देर विट मीरा छो में वा रो दी दर अहरा वरा छी तारामाःल्ट्रात्वीयःवैश्वास्यशा हीरःकी.वारःटे.सुयशःक्रिः वकरमानियानदान्या र्वेरायम् में मिदायास्य सह्यामी क्षेयासदी द्वीट वर्षा प्रदेश क्ष्मचर्या भी मीट सेया प्रयासिस्या *ঀৢঀ*য়ॱॻॖऀয়ॱॶৢॱয়য়ৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢঢ়ঀয়ৼয়৾ৼয়ঢ়য়ৼঢ়ৢ৾ৼঢ়ৼঢ়ৼঢ়৾৽ঢ়য়য়ৼ हे केर पर्यो प्राप्ते प्रयापि धेर केश हेर पर्या झह हैश हैं। ख क्वे'रे'गारामुमाराभे'र्भारभाष्णे'र्येयायराकेर्'य्यर्'यर्डेब्'युश यर मेर द्वा तुषाय द्वा दे द्वर वीं व है मुर र्षेव या वषा नबुटार्झे'खाङ्घे'र्रोपरामु'ग्नरकी'सटामी'केट्र'प्रयागानुया म्नद्र है 'यम्बर्' ये मुर्भ मु र्रट सेन्या पार्ट्य कुष्मर द्या त्रुष्य त्र्याय स्वार्षेट मी नवतः तुः द्राः सुगाः गाठेशः विदः देः सुराषाः क्षेः रेः गारः सेनशा कुः मर'र्'न्व्याय'भ्रवय'र्पिट'मीय'से'सट'य'र्ट्से'ख'ट्टे'र्रागदे'त्रट' मुम्मर्प्तर्द्धर्प्तस्यम्। त्रुष्ट्रियम्। यथा विटास्ट्रीराषा क्वेरी गावि ते ताया रुखा वर्तेरा वीटा तथा देरा

व्यट्टिं के देना बादगार पे किंबा झुन है कु नार दु र्बेट नवा सुद क रे निया प्रमुद भेत द्रा रें अ प्रिया रे निया है या भेत में या र्हेग्राश्चिट्रव्याप्ट्रियावयायाययाययायायाय्यासीय्राप्ट्रास्त्र हुत्रश्रटात्रश्यव्यव्यव्यक्षेर्टार्म्याञ्चराय्त्रीयान्त्राय् र्द्धम्याणु प्रदूरामादे सिंदा स्ट्राप्त्र स्था से स्या र्शेमशण्चेशर्केन्भेन्याबुशा क्षेत्रशस्त्रपरेन्चित्रहेन् र्मेमश्यायालियायी। प्रवादा तुर्शार्येटा शुटा र्से पाठ्या है। हेरा रेमश याभाश्चेत्रयात्रात्र्रार्षेटात्राष्ट्रम्युन्य्यायराटराम्नम्यायरा वर्षा ध्रेर पुरा रे वर्षा विषा कुषार हेव हें महार परि यु पा लिया मुंतरे, मिट मुंदिया में मुंदिया परि शे क्षिया मिर प्रमासी मिर क्षेत्रियदाचीर्क्ससेदायमार्चेसायादाहेदार्मेषासाद्येदार्यादेषा मीयाधी र्क्षम्याणी यत्त्र त्या नगम

क्रम् हैं 'यम्बार्स हें 'खा हैं 'रेगार खें राम्या हैं 'या हैं 'या वार्स हैं 'खा हैं 'रेगार खें राम्या हैं 'या हैं 'या वार्स हैं 'या वार्स हैं दें 'या वार्स हैं के 'हैं दें 'या वार्स हैं के 'हैं के 'हैं आ हैं के 'हैं के 'हैं आ हैं के 'हैं के 'ह

सहस्रालुग्रायाणीयाययागाः गुर्या विटामी प्रवास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स गार्डे नुषायार्मेग्रास्यानुषाने त्रीं क्षेत्रवार्गेट प्रमेया गुषासु भव्दायमान्त्रेन्द्रायस्यायद्यायद्यायद्या यशयमुयादमामीश्राभार्येट्रशायदे स्टा हैत् ग्री मुयामदायायहा देश'णु'धेर'केश'नहरू'र्से हेर्। विट'य'नशर्भार्त्तेवे प्रवन र्हेर् ॻॖऀॱऄ॔॔॔ॱक़॓ॺॱॾ॓ॱक़ॺॱॾ॓ॱक़॓॔॔ॸॹॗॸऻॱॴॺॱज़ग़ॖॴज़ॸऀॱक़ऀॱॴॱॸॖ॔॔॔ॱ नान्या प्रमापहेंदा प्रिंक पहेंदा इट सेससान उस गी। मा मानद्रात्युमा धेवावाधार्यात्राचिवाधेवाधवायाः ८८. मिश्रश्चित्रश्चारात्राचिश्वरात्राचिश्वरात्राचिश्चाचिश्च भवतः मारुमा मृत्रे में या गुर्भा हेरा सुमाल्द मी यश गुर्म मार याने कें जटा झुन है ते नर्गे ट्या कुंया छै। हे या शुमाटा श्रुना तर्गे। नरान्डसम्। सन्द्रेपम्यायेदस्यास्टर्नेरान्डन्। त्या विट्नो हेरायह्माया इसरा शुरासुर स्वर्गाया त्यान निष्या १८१८ में राष्ट्राचार हैं खा है री गा निष्या चयाभ्रम्यशा क्षें खा क्षे 'रे मादे क्षा या च च र खें द यदे मुम्म र या कुत्रमायश्राक्षेत्राताक्रियाजाक्ष्याक्षेत्राच्याचिताक्ष्री

वह्रम्मीट वस्माकेर माध्यायमें र्ख्नाय पवे स्रवया देर सूत है 'यम्बर क्रियामें प्रापिट 'रूट 'हैर 'दर्गे 'मिर हैग 'ह 'द सूर रे' ८८.परश्रीरमित्राच्यार रे.जूच प्रिटम्ब्राश्रीका है.स्यार सेवा. यशमान्द्रभ्रम्थाणे हेथायह्मायार्के द्रा शकमान्द्रणेश याट प्रस्था निया मीय दुया सुन सुन है ये क्रें र स्रोट हों ट चुया विट मैश्राक्षाभे प्रमे तेपि हे श्राम्य मन्या पर्यापाद्या प्रेम् खाले रमासमार्क्यासुमायाणु र्केमायाया विमाणु ८ १ त्यु पा हे या भी सु ८८ रेग्राम् कुर्याट लिया धेर थट विट मी र्टियाय या देर लुग्या क्रमायदेखर्ने न सुवायदानुसा धेन न यदामाया सेन ने र बुग्राक्री ग्रम्भाग्रयान्यान्यत्तर्ति। द्याप्रसाम्य येन मुन प्रमेशा के'क्रायद'यदेक्'यर'श्च'या भैग्गल्कप्यप्देहेंदर्भभभेग्नेद्रपा पर्मित्र शेसश भे पहें त था

र्शे स्वित पर्से द्रायमें के प्रायमित प्रायमें स्वायमें स्वयमें स्वायमें स्वयमें स्वयम

देव, हैत, क्र्या जीवाबा, तत्र प्रमाया, श्रान्य त्राचा, त्राचा व न्यतः नते से प्येन स्वया स्वर है सर्वेग मैयाने र नगर्वेगया यदे'त्र ए पुरायर पुराय देगाय से माया से प्रायत प्रा ष्टिभायश्राभाविमार्स्यम् अपन्य स्वाम्यास्य हेर्ने मान्यास्य देशाया ष्टिभाभकेंश केंश मिंद केंग भक्ष पु प्रथा गा चेद भी केंग पदि वर्त्तेरास्त्रार्क्ष्यार्क्ष्यायायरार्द्रमायान्द्रवार्धेन्यत्वेत्रायानेवरा सक्सरायठना ने स्रम्यरा सुन है रूट है न या हेन या है आट सा व्दान्त्रदा विदानीयार्केन्यायायाकार्कदारेन्ययात्रात्रार्के र्हेता युवानीमिटाष्ट्रेरपुर्धेरमुविवकरमानिया पकरमानि ने प्रज्ञानिया प्रोत ने त ते मिंद कें कें प्राप्त स्था प्राप्त स रमाशान्स्याना सूर्या केमायान्या नेरारेमाशासी स्टायदी रमार्थाण्य ज्याराष्ट्रयायराधिता तकरामाने परी प्रमापर्वेश यदे स्वराष्ट्रेराय केदे केंद्र पालिया मीश सुत है 'ययाश तुर दु स्रद्भाय निरम्भे । स्राप्त निर्मा में स्राप्त निरम्भे । स्राप्त निरमे । पर्यात्वरमा ये हैन में देश के मारा पर प्रायम के माया पर दर देश गुँ'नद्य'र्येत'केत'प्रेर'ने'येयया मृत'ई'यर्वेग'युगय'न्ग्रेय'

यश्यम्यायायदे दे रेमश्राभी सुट प्रति भी भे रेमश्राद्याया नर्जेशकुंग्नरानदेशेरेदेरेर्षेन्र्वेनावदाग्यराम्यालेग्रेना यदे'तुष'र्घेग्'स'रे'रेर्। स्रम्य'रे'त्र्य'म्बुट'सर्ट्र'र्र्थ'स्रुत' इंशार्विट मी भू कें रूट खुवा ग्री भूश तुरी या न गुरा सा ने ग्री न त्राम्भुया भ्रम् हेरे सून्या केत् ग्री प्रमाया खुया ते विदानी भू केंद्रे मेट की क्वीं निर्दा स्वाप्तस्य ग्रीया स्वाप्ता मान्या नन'णर'कुश'शु'गार्नेट'कुं'न्टा र्सुगश'गट'ठेवे'घर'वळें'न' भेर्'यदे'र्झे'क्राभे'भट'य'र्सेग्राम्य'रुअ'तेुर्'कु'रे'णेक्'या पिट' मैशर्नेन भेर रुक्ता रुक्ति सामन देगायाय देने मायाय है न भ्रमशरेर मिट मेश लिट प्रश्नाय केंद्र मिंद पर्के म क्रिंचे प्रीत प्रमा यावर कें स्ट्राम् केंट्र चुया क्या नस्ट्रिन्य माक्ट स्निन्य की निक् स्मासदर्भितिदमी दस्या सुरद्या दे दमा सिद मिदमी मीमाया र्ये विषा र्थेट है। विट केंट रेषाय रसा चेट कु चुय य दे के द्वाय र्चे ने कें रामकें मान प्राप्त का निवास के निवास

युर्ग नुष्ठानेराकेत्र केत्र केत्र केत्र विष्ठान्य स्वर्ण क्षण स्वर्ण स्

तर्ने के र्चना निर्मिश्च मिया मिया के के लिना है। कु नार की साम्या साम्य साम्या साम्य साम्या साम्य साम्या साम्या साम्या

विश्वरास्त्रम्य स्ट्रिंग् स्ट्रिंग स्ट

देवे मुम्मर मुः षादायवे मान्याययायाय स्था पेदाया वे त दु८'वर'म्बर'पदे'भे'लेग'गेय'र्८'भेर'णेय'पर्वेय'पदे'सूस'तु' नगर में लिग में त' हे तें 'ब्रेंनश' केत' में श' अनुत' नर्शेंन 'चुश' नित्र भेर्केमशत्रद्रामान्दान्यस्यावेदामी हेशस्य लुग्यायान्दा भे अ८'र्मेट'म्बेन'८८'र्मेट'म्बेन'नुब'द्रब'कु'अर्द्धर'अ'त्रुम्'नर 5्रभर्वावयाभर्वार्यमञ्जूरा नेरावियाद्याधीराक्रेसयाया त्रुद्रश्याप्त्रा श्रेत्रमालुद्रामीश्राभाषाद्रमात्रशास्त्राम् तुषा झुन है चेट्य नेमा नर्डेन । यट दुमा न । यदमा न । यदम । य अ'वर्गेर'नर'र्मेर'नर्गेव'नहर्ग मु'मर'भे'अर'मे'वेंश'यरश' ने 'र्से 'सेंदे' मुयापना ग्री 'स्निया सुमा ५५' प्येन 'रेट 'सुन' है र 'प्यट' र्शे र्शेदे मुवापना भार्षे तायदार्वेश मुनामा भी भदानी ही मानदादे अवयमिठेगाम् प्रांत्रीवा अर्केगाया पर्छेया थेता विदामी शामा शुदा र्देन'ने'यामनेट'र्केन'केन'र्ये'सेन'रेट'ट'र्केश'नेवे'र्सुम्बर्सु वनद्ग्निईन ग्रीयाद रेंदि केद दु मुवाय रेंद्र प्रमाय रेंद्र देंद्र से वियानम् । स्रम्यानेये मुम्मरमी न्त्रीत्यावृद्योग्याम्या रटानर्डन हैं निप्तुन सेनायरान हेना विटामीयान चुन हैते। माल्टायाञ्चनालुप्दर्भेनासुयाने माम्दान्यसमार्थेद्रा पेता

णुट'र्विट'मीश'चुअश'च रे'र्मिट'चगुर'द्रट'चरुश'र्विट'र्के'य'स्ट्र' शेशशानवुद्धोत्। विद्योशाने भूमायशानगुवा भेवायते न्मायके पर पहेना बेट्यामन्याय पर्देन दु पर्म ह्या पहना यार्केश मिटा मी खुमाश दर्गी दश प्रिक्त शा श्रुपा यम दुना र्येदे प्रयम र्हेन मुक्ष हैं। अक्ष माने विष्य सम्मान वुग्य सम्मान वेटयायन्यमुक्तरेटार्येर वाक्षयायवेषायरःवेपाकेप्तरा गुरा विट मी हेरा एड्गा या हे सटा दुर्शेट या द्रा क्षेत्र न्मश्णुट हे केर युरा भे केंमश्रासट में प्रकट मार्ट प्रचरुश मिट या अहया नर न उर हे मासुट या १८ सर हो नशा सुमार मुवार्धेत्राण्चेरावित्वीयासुतार्सेरात्तीयायात्ता मुयारास्तर श्रेमालन मुं न्तु विन न्दर्भ मुद्दर मुवामालन मुं पर्मे विन नगण्णरामिरायानगायार्स्याल्यस्य वर्त्तेसान्। मिरार्केवायकरा माले निवर पार्टि मिंट मी पहिंस मीट पार्से मारा परि ले निरे ८८। विभग्न केते क्रीर या अट माश्रूट केया मान्टा के केते मुवाषयाचे केरारुवया ईरामुकारेटा मुबासबरावकराम्बे येग्रायम्य म्याया में र्युग्यास्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वा त्गुवारेश मुग्गरायार प्यर्वा मुना भी करास्था मुना है।

सर्वेन मेशन निकास स्वास्ति स्वासि स्वासि

तृ म्मर मुं अद्यास्य प्रत्य विषा देन के के प्रत्य विषा चित्र में विषा स्वास्त्र के स्वास्त्र के

अटयः सिया देरा अटया सिया मालका क्षरा सुवा सेटा आर्सेटा पराले। यरेशाष्ट्रयायाद्या देवास्य दिया के से मार्था में हिंदा विकास में दिया के से मार्थ में दिया के से मार्थ में दिय नग्र-नुष्य-प्रम्नेम् अवव्यस्य है नरे दि मानुष्य वुन प्रम गुर्भेरा त्याण्यक्षय हैते से के स्वायाय है। रे हेया १००८ तु'द्र'रेंदि'सुस'सु'हेद'र्वेद'य्व्ययायाय्वयादयायायेर'र्केया षिट मी र्सुमार्थ र्से से मान्द दे त्यों स्निय्य हैत स्यान मार्लिन विमामीशार्विट मीशायके पार्केर अहंदा अध्वर ग्रेट ग्री पर्मा स्था देन'र्न्यर'र्सेग्राश्चग्यन्दर्शेट'श्रुश्राश्चेश्री'र्सेग्रार्धेद्वर्श सर्वर्यं अर्केट हे स्वतः है ते से नते हेट से सर्वर नमुना क्षर भायमादाः हेशाशुः स्रथाः चेत्रायदेः स्रुतः है 'यमाशाष्ट्रियः प्येटा यदे। यटा यायश्राभाविमाध्रिमार्चे मार्चे मार्चे मार्चे मार्चे मार्चे मार्च मार्चे मार् मुन है में त्यार्थेत लेग नन्।

मुत्य-रश्चित्वयाकेन-न्तु-सिन्नान्नन्तिन्ति। सुन्न-निन

निश्न प्रत्येष्ट्रा प्रचा विष्ट्र प्रचा प्रवा विष्ट्र क्षेत्र क्षेत्र